


न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर (न्याय), जयपुर

फर्द अहकाम

प्रकरण संख्या : 210 अपील
नं. 49/2016

विन्दू कुमारी बनाम श्री हरि 12/1487

कार्यवाही / आज्ञा की दिनांक	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
12-4-21	<p>पत्रावली पत्र हुए जिला न्यायालय में गैर कलिल अपीलान्त उपस्थित। पेटेकार सरकार उपस्थित। देस्पेण्डे सं०। असालतन/वकालतन अनुपस्थित। अतः इनके विरुद्ध एकापक्षीय कार्यवाही कर गये। कलिल अपीलान्त व पेटेकार सरकार को सुना गया। वहस पर गौर विजा व पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली में उपलब्ध अपीलान्त द्वारा वापट की गई एल० की प्रतिलिपि रिट निवेदन नं० 5232/2017 उपरान्त सुप्रीमकोर्ट द्वारा दिनांक 24-7-2020 परमा संशोधित निर्णय दिनांक 9-11-20 के अवलोकन से जाहिर होता है कि माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा रिट पात्रिका को स्वीकार किया गया है और देस्पेण्डे सं० की धारिकाकर्ता द्वारा निर्दिष्ट रिजिस्टर्ड सिद्ध प्रमाणिका 25-7-2016 एवं 23-8-2016 द्वारा कृप की गई कागजी का नामान्तरकता निर्णय की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने के बाद सप्ताह में खोलने के निर्देश दिये गये हैं। अतः माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा नामान्तरकता खोलने के निर्देश दिये जाने के फलस्वरूप अपील अपीलान्त प्रभावहीन (Infructuous) है जो के कारण माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 24-7-2020 परमा संशोधित निर्णय 9-11-2020 अनुसार अपील का निष्काट किया जाता है। निर्णय और इतलास सुनाया गया।</p>	


 ज. क. शर्मा (दिलीप)
 जयपुर

लगातार